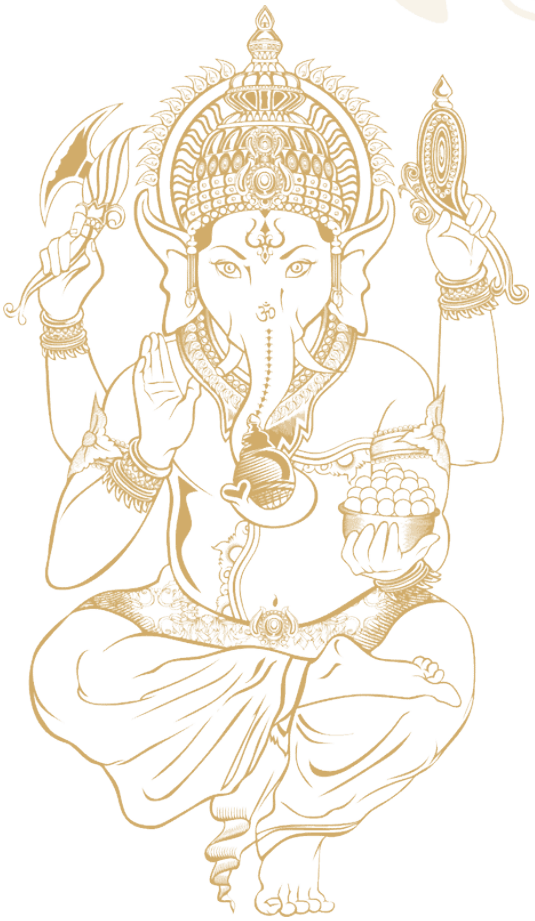

15 Apr 1992

10:00 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121180904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/04/1992**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	10:22:35 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:42:12 घंटे
वेलान्तर	-00:00:01 घंटे
साम्पातिक काल	23:16:32 घंटे
सूर्योदय	05:50:58 घंटे
सूर्यास्त	18:45:12 घंटे
दिनमान	12:54:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:42:31 मेष
लग्न के अंश	09:43:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:43:34	325:32:27	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			मेष	01:42:31	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	05:14:55	14:20:18	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	20:16:22	00:46:26	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			मीन	06:27:27	00:28:51	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु	व		सिंह	11:15:11	00:02:52	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	15:58:02	01:13:56	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			मक	23:14:22	00:04:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		धनु	09:26:44	00:09:47	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	09:26:44	00:09:47	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	नीच राशि
हर्ष			धनु	24:14:35	00:00:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:11:47	00:00:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	28:31:59	00:01:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	24:25:54	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:14

लग्न-चलित

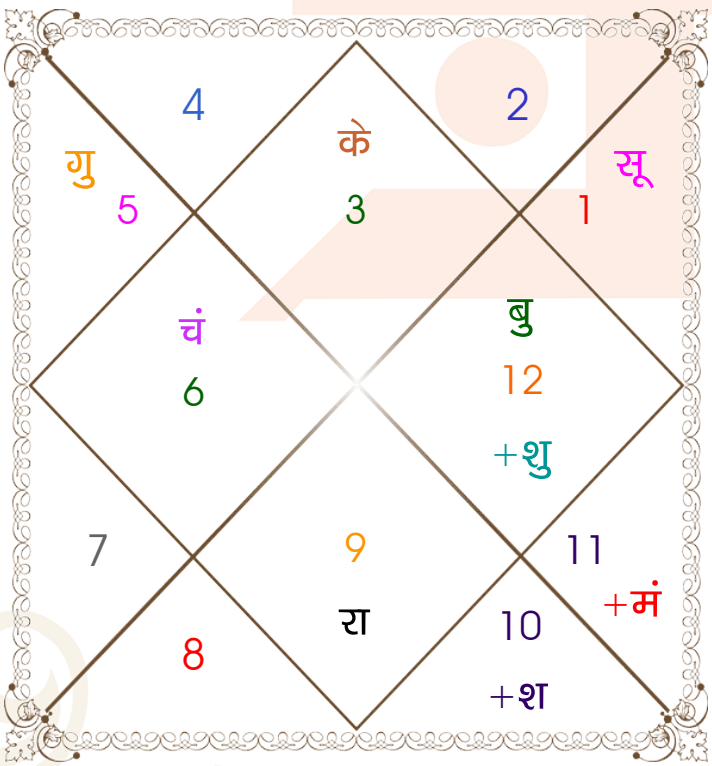

चन्द्र कुंडली

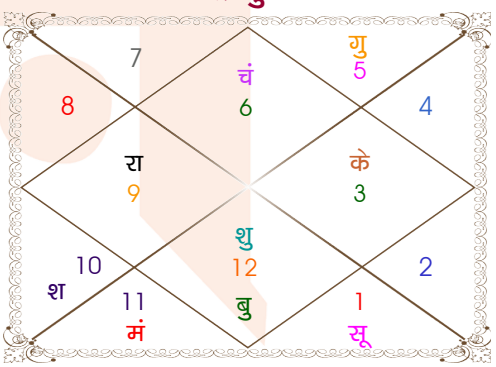

नवमांश कुंडली

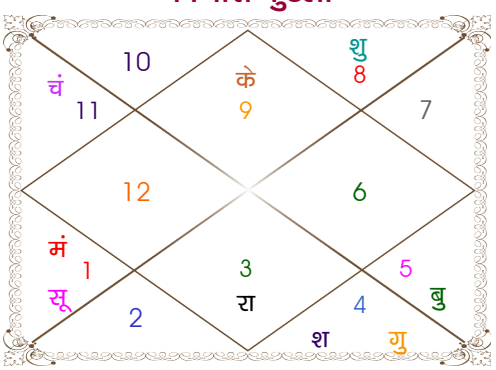

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 1 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/04/1992		05/06/1994		04/06/2004		05/06/2011		05/06/2029	
05/06/1994		04/06/2004		05/06/2011		05/06/2029		05/06/2045	
	00/00/0000	चंद्र	05/04/1995	मंगल	01/11/2004	राहु	15/02/2014	गुरु	24/07/2031
	00/00/0000	मंगल	04/11/1995	राहु	19/11/2005	गुरु	11/07/2016	शनि	03/02/2034
	00/00/0000	राहु	05/05/1997	गुरु	26/10/2006	शनि	18/05/2019	बुध	11/05/2036
	00/00/0000	गुरु	04/09/1998	शनि	05/12/2007	बुध	04/12/2021	केतु	17/04/2037
	00/00/0000	शनि	04/04/2000	बुध	01/12/2008	केतु	23/12/2022	शुक्र	17/12/2039
	15/04/1992	बुध	04/09/2001	केतु	29/04/2009	शुक्र	22/12/2025	सूर्य	04/10/2040
बुध	28/01/1993	केतु	05/04/2002	शुक्र	29/06/2010	सूर्य	16/11/2026	चंद्र	03/02/2042
केतु	05/06/1993	शुक्र	05/12/2003	सूर्य	04/11/2010	चंद्र	17/05/2028	मंगल	10/01/2043
शुक्र	05/06/1994	सूर्य	04/06/2004	चंद्र	05/06/2011	मंगल	05/06/2029	राहु	05/06/2045

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/06/2045		04/06/2064		05/06/2081		04/06/2088		05/06/2108	
04/06/2064		05/06/2081		04/06/2088		05/06/2108		00/00/0000	
शनि	07/06/2048	बुध	01/11/2066	केतु	01/11/2081	शुक्र	05/10/2091	सूर्य	23/09/2108
बुध	16/02/2051	केतु	29/10/2067	शुक्र	01/01/2083	सूर्य	04/10/2092	चंद्र	25/03/2109
केतु	26/03/2052	शुक्र	29/08/2070	सूर्य	09/05/2083	चंद्र	05/06/2094	मंगल	30/07/2109
शुक्र	27/05/2055	सूर्य	06/07/2071	चंद्र	08/12/2083	मंगल	05/08/2095	राहु	24/06/2110
सूर्य	08/05/2056	चंद्र	04/12/2072	मंगल	05/05/2084	राहु	05/08/2098	गुरु	12/04/2111
चंद्र	07/12/2057	मंगल	01/12/2073	राहु	23/05/2085	गुरु	06/04/2101	शनि	24/03/2112
मंगल	16/01/2059	राहु	20/06/2076	गुरु	29/04/2086	शनि	05/06/2104	बुध	16/04/2112
राहु	22/11/2061	गुरु	25/09/2078	शनि	08/06/2087	बुध	06/04/2107		00/00/0000
गुरु	04/06/2064	शनि	05/06/2081	बुध	04/06/2088	केतु	05/06/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 1 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।